RE. JHARKHAND MOVEMENT

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): Madam... (Interruptions) .. .This is a matter concerning the House... (Interruptions)...

श्री चतुरानन मिश्र : मैडम, मैंने यह सवाल उठाया था कि झारखंड आंदोलन . . . (व्यवधान)

SHRl MENTAY PADMANABHAM: Madam... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am listening... (Interruptions)...

SHRl MENTAY PADMANABHAM: Mladam, this is with regard to the House. Yesterday we were all sitting here... (Interruptions)...

उपसभापति : यह हाउस का मामला है। . . . (व्यवधान)

It is a matter of the House and I am permitting him. Let me find out what his samasya is. .. *(Interruptions)* ...

SHRl MENTAY PADMANABHAM,: Yesterday we were all sitting here and at 5.45 we were given to understand that the Home Minister will be replying today and so we went out. We were all interested in hearing the reply of the Home Minister... (Interruptions) ...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): The Members insisted. The Home Minister wanted to reply today ... (Interruptions)...

SHRl MENTAY PADMANABHAM: This matter is important. Mr. Salim was presiding. This cannot be done... (Interruptions)... (

THE DEPUTY CHAIRMAN: One thing is clear. I will explain to you what happened. But one thing is clear that you want to come to the House only to listen to the Home Minister and not the other Members. . . (Interruptions) .. .

SHRl MENTAY PADMANABHAM: Mr. Upendra and others were also here. At 5.45 we were given to understand that the Chair would, adjourn the House at 6 *o'* clock. Just 10 minutes before that we were given to understand... (Interruptions) ...

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): We wanted to hear the Home Minister. If we were not here we should have been informed earlier. We feel sorry. He spoke on it and we were not here to hear him.... (Interruptions) ...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: He replied to such an important debate . . . (Interruptions) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now that you have put your question, let ne tell you what happened. Mrs. Alva explained in the House and it was decided by leaders of various political parties and groups that the Tome Minister should give his reply today. Mrs. Alva was not sure whether the Home Minister will be free rom Lok Sabha. So that was the decision taken. But subsequently, the Home Minister got free from Lok Sabha and he came to this House. He is also the Leader of this House. Then the Members present at that time insisted—I was in the Chair— they insisted and I took the sense of the House. Mrs. Alva explained to the Members but they said they were here and they wanted the answer yesterday ... (Interruptions)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: The House is supreme... (Interruptions) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: So, finally the House is supreme and it was decided. It was the decision of the House that the Home Minister should reply yesterday; otherwise he was to reply today. Now you can read his reply from the papers. That is all about St... (IWenbiptfions)...

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उप-सभापति महोदया, मैंने झारखंड आंदोलन के संबंध में . . . (**व्यवधान**) झारखंड आंदोलन के संबंध में मैंने अभी चेयर से अनुरोध किया था कि मुझे वक्त दिया जाए। मैं अनुमति चाहता हूं कि मुझे इस मामले को उठाने दिया जाए। बात यह है कि फिर झारखंड आंदोलन शुरू हो गया और वहां आर्थिक बायकाट चल रहा है वहां से सामान यहां नहीं आने दिया जा रहा है। जब-जब आंदोलन शुरू होता है तब-तब सरकार विचार करने लगती है और फिर वहां हिंसा होती है। अभी गोली भी चली है। बहुत से लोग गिरफ्तार किए गए हैं। यह क्या तरीका है सरकार को वक्त रहते हुए इस समस्या पर विचार करना चाहिए ताकि यह बिहार भी एक वह क्षेत्र नहीं हो जाए जहां पर कि रोज बम चलें और बंदूक चले और हथियार चलें? इसलिए मैं अपने गृह मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि झारखंड समस्या के निदान के लिए अविलम्ब कदम उठाएं। अगर बात-चीत शुरू कर रहे हैं तो जल्दी से इसका निबटारा करें। नहीं तो वहां पर भी उसी तरह की स्थिति हो जाएगी जैसे कि पंजाब में या काश्मीर में आज हम लोग देख रहे हैं। इसलिए कोई रास्ता तो जल्द निकालिए। नहीं तो जब-जब वे आंदोलन करते हैं, तब-तब आप कुछ बात करने लगते हैं। फिर जब वे हट जाते हैं तो फिर आप भी हट जाते हैं। फिर वह आते हैं, फिर आप चले जाते हैं। यह हाइड एंड सीक का जो खेल खेल रहे हैं, यह राष्ट्र के हित में नहीं। यह चोरी-छिपी वाली बात तो खत्म कीजिए और कोई निदान दीजिए और मेरा आपसे अनुरोध है कि आप कुछ कहिए। . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : सब इसी पर बोलेंगे?

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, मैं बहुत जरूरी ढंग से यह बात कहना चाहता हूं, मिश्र जी ने जो सवाल उठाया है, यह एक गंभीर मसला है और हर व्यक्ति जानता है कि झारखंड बंद के दौरान सबसे अधिक रेल सेवाओं पर असर पड़ा है। रेल सेवा बाधित है और पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति मारा गया है। अखबारों में लिखा है कि, "झारखंड राज्य संघर्ष समिति की अपील पर 24 घंटे के बंद के दौरान आज हुई हिंसा में एक व्यक्ति मारा गया। दो जगहों पर बम फोड़ने की घटनाएं हुईं। कुछ जगहों पर पथराव हुए। बंद के कारण रेल सेवा बुरी तरह बाधित हुई। लेकिन कोल इंडिया के खदानों पर बंद का मामूली असर ही पड़ा।" अब इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि आज के अखबारों में गृह मंत्री जी मैंने जो देखा है, उसमें है कि झारखंड के नेताओं से, कांग्रेस के नेताओं से और दूसरे नेताओं से केन्द्रीय सरकार बातचीत कर रही है, लेकिन आप जानते हैं वहां जनता दल की सरकार है और जनता दल के किसी व्यक्ति या सरकार के किसी प्रतिनिधि से बातचीत करने की खबर नहीं आई। इसलिए मैं आपको बड़ी नम्रता के साथ यह कहना चाहता हूं कि इस मामले में कोई भी फैसला तभी हो सकता है जबकि बिहार सरकार को आप विश्वास में लें। इसलिए जो भी बातें आप कर रहे हैं, जोकि आज के अखबारों में रिपोर्टेड हैं, वे आंशिक बातें हैं पूरी बातें नहीं हैं। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि बिहार के मुख्य मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव को भी बुलाकर, उनके साथ बैठकर गंभीरता से बातचीत हो और केन्द्र इस समस्या को उलझाए नहीं बल्कि सुलझाए। . . . (**व्यवधान**) . .

उपसभापति : अब झारखंड का मसला एक साथ हो गया।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : मैडम, यह जो प्रश्न है जिसके बारे में श्री चतुरानन मिश्र और शंकर दयाल सिंह जी ने कहा है, यह बात सही है और बिहार में कोई गोली नहीं चली है, लेकिन इस समस्या को सरकार तूल न देकर, सब को साथ लेकर, बात कर के कोई निपटारा करे। . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : झारखंड के मामले में गृह मंत्री जी रिएक्ट कर रहे हैं, उन्हें बोलने दीजिए।

श्री विष्णु कांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : महोदया, इस समस्या के बारे में झारखंड के नेताओं से बातचीत करते हुए सरकार को भारतीय जनता पार्टी के दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखना चाहिए क्योंकि जिस तरह से वनांचल का आंदोलन चल रहा है, उसके ऊपर बिना विचार किए कोई स्थायी निर्णय नहीं किया जा सकता है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि आप भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी इस विचार-विमर्श में शामिल करें।

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): The sentiments of the people living in those localities should also be considered before arriving at an accord or something of that sort. There is not just one section of the population.

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) : मैडम, झारखंड के मामले में इससे पहले भी सारी पोलिटिकल पार्टीज के साथ बातचीत हुई है। उसके बाद मैंने खुद मुख्य मंत्री जी के साथ इस बारे में बातचीत की है और आज कुछ लोगों को मैंने इस मामले में बातचीत के लिए बुलाया है, लेकिन इसका आखिरी फैसला तभी हो सकता है जबकि दोनों पार्टीज इकट्ठे हमारे साथ बैठें क्योंकि अल्टीमेटली ये मामला जब तक बिहार गवर्नमेंट कबूल नहीं करती, उस वक्त तक इसमें से कोई रास्ता निकलना मश्किल दिखायी देता है। *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN; Now, that matter is closed.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, सत्या बहिन हमारे हाउस की मेंबर हैं, कमला जी मेंबर हैं, इस किस्म का एक लेटर है जो कि महिला मेंबर्स को मिला है।

उपसभापति : आप एक मिनिट रुकिए।

RE. BOMB BLASTS IN BOMBAY

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदया, मैं गृह मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि आज सुबह साढ़े 11 बजे बी.बी.सी. पर मैंने खुद सुना कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों को यह कहा कि वह आने वाले दिनों में दिल्ली में प्रवेश न करें। उसका कारण देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह कहा कि उनको जानकारी है कि मुंबई के बम विस्फोट के बाद अब दिल्ली लक्ष्य बन चुका है और आने वाले दिनों में दिल्ली में कुछ-न-कुछ घटना होने की संभावना है। इसलिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों को दिल्ली न जाएं, इस प्रकार की सलाह दी है। मैं भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि बी.बी.सी. अत्यन्त विश्वसनीय सेवा है। इसको हम कोई रयुमर मानकर, गप्प मानकर न छोड़ें।

मैडम, अमरीकी विदेश मंत्रालय ने जिम्मेदारी से यह कहा है। और, उसके आगे उसी खबर में यह कहा है कि डिटेल्स देने से उन्होंने इंकार किया है। इसलिए मैं गृह मंत्री जी का सदन को आश्वासन चाहता हूं, एक यह कि दिल्ली की जो भी सुरक्षा आज वह कर रहे हैं, उसमें सतर्कता बढ़ायेंगे और इस खबर के आधार पर कोई नई समस्या खड़ी हो रही है तो सतर्कता में वृद्धि करेंगे और दूसरा, हमारे विदेश मंत्रालय द्वारा अमरीकी विदेश मंत्रालय से संपर्क करेंगे और यह जानने की कोशिश करेंगे कम से कम कूटनीतिक माध्यम से कि आखिर अमरीकी विदेश-मंत्रालय इस निर्णय पर क्यों आया है?

मैडम, मुम्बई के ब्लास्ट के बारे में आप कह सकते हैं कि हमें मालूम नहीं